DAINIK JAGRAN PAGE III

'अपनी भाषा में लिखना नहीं पसंद करते क्षेत्रीय लेखक'

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज शास्त्र विभाग की ओर से आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन शनिवार को क्षेत्र, संस्कृति और अस्मिताएं विषय पर चर्चा हुई। मालवीय सभागार में आयोजित सम्मेलन में मद्रास इंस्टीट्यूट आफ डेवलपमेंट स्टडीज के प्रो. अनंत कुमार गिरी ने बतौर प्रमुख वक्ता अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत में क्षेत्रीय लेखक अपनी क्षेत्रीय भाषा में लिखना पसंद नहीं करते हैं। उन्होंने भारत की मातृ भाषाओं में किए गए दार्शनिक लेखन और उनके व्यापक सैद्धांतिक अन्वेषण और दार्शनिक प्रभाव पर भी अपनी बात रखी।

सम्मेलन के दौरान 29 तकनीकी सत्रों में लगभग 250 शोधकर्ताओं ने विभिन्न विषयों पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। यह तकनीकी सत्र ओएनजीसी बिल्डिंग एवं समाज कार्य विभाग में संचालित हुए। भारतीय समाजशास्त्र परिषद के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर आनंद कुमार, सह अध्यक्षता जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी दिल्ली के प्रोफेसर अरविंदर ए अंसारी, आइआइएम कोलकाता के पूर्व प्रोफेसर सुरेंद्र मुंशी, टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंस गुवाहाटी के पूर्व निदेशक प्रोफेसर वी खाका ने अपने विचार रखे।

सांस्कृतिक विशिष्टताओं की अनदेखी: समाजशास्त्र बुलेटिन के प्रोफेसर बीबी मोहंती ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद समाजशास्त्र पश्चिमीकृत हो गया। विभिन्न क्षेत्रों और उनके इतिहास की विविध सामाजिक सांस्कृतिक विशिष्टताओं की अनदेखी की गई। समाजशास्त्र में क्षेत्रीय अध्ययनों की आवश्यकता थी। अंततः इसके लिए भारतीय समाजशास्त्र में भारतीय क्षेत्रीय समाजशास्त्र के एजेंडा को आगे बढ़ाया गया। प्रो. एंटोनी पलक्कल ने केरल में समाजशास्त्र के अनुशासन के विकास और केरल में व्यवसायिकता, ज्ञान उत्पादन, नीति निर्माण, और सार्वजनिक प्रवचन में समाजशास्त्र के योगदान पर विचार रखे। प्रो. आर. इंदिरा ने क्षेत्रीय भाषा कन्नड़ पर आत्म माध्यम के रूप में जोर दिया। कार्यक्रम में मुम्बई से आए प्रोफेसर बालाजी केन्द्रे, प्रो. श्रुति तांबे, प्रो. नागराजू गुंडीमेड़ा, लवि समाजशास्त्र विभाग के हेड प्रो. डीआर साहू व अन्य समाजशास्त्री उपस्थित थे।

लवि के समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बोले मद्रास इंस्टीट्यूट आफ डेवलपमेंट स्टडीज के प्रो. अनंत

सेंटर फार रिसर्च इन रूरल एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट चंडीगढ़ के डा. मनोज तेवटिया व अन्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया • सौजन्य लवि

i-NEXT PAGE 3

दर्शनशास्त्र विभाग में हुआ सेमिनार

लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग ने शनिवार को सेमिनार का आयोजन किया गया. सेमिनार में विभाग की शोध छात्रा अजीता यादव ने संकल्प की स्वतंत्रता तथा नियतिवाद के विचार विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया. इस अवसर पर विभाग की विभागाध्यक्षा डा. रजनी श्रीवास्तव व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे.